

Roll No. : .....

Total No. of Questions : 11 ]

[ Total No. of Printed Pages : 4

# APF-2151

M.A. (Final) Examination, 2022

JAINOLOGY, JEEVAN VIGYAN AND YOGA

Paper - VII (A)

(Jain Religion Philosophy and Indian Religious Philosophy)

Time : 3 Hours ]

[ Maximum Marks : 100

## Section-A

(Marks : 2 × 10 = 20)

**Note :-** Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड-अ)

(अंक : 2 × 10 = 20)

**नोट :-** सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

## Section-B

(Marks : 7 × 5 = 35)

**Note :-** Answer all *five* questions. Each question has internal choice (Answer limit **200** words). Each question carries **7** marks.

(खण्ड-ब)

(अंक : 7 × 5 = 35)

**नोट :-** सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

## Section-C

(Marks : 15 × 3 = 45)

**Note :-** Answer any *three* questions out of five (Answer limit **500** words). Each question carries **15** marks.

(खण्ड-स)

(अंक : 15 × 3 = 45)

**नोट :-** पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है।

**BR-385**

( 1 )

**APF-2151** P.T.O.

## Section–A

(खण्ड–अ)

1. (i) Write the form of 'Satt' (Reality).  
'सत्' का स्वरूप लिखिए।
- (ii) Explain the meaning of 'Salvation'.  
'मोक्ष' का अभिप्राय बताइए।
- (iii) What is 'Non-violence' ?  
'अहिंसा' किसे कहते हैं ?
- (iv) What is 'Non-possession' ?  
'अपरिग्रह' क्या है ?
- (v) What is 'Vows' ?  
'व्रत' किसे कहते हैं ?
- (vi) Explain the meaning of 'Avidya' (Nescience).  
'अविद्या' का अभिप्राय लिखिए।
- (vii) Write the meaning of 'Anekant'.  
'अनेकान्त' का अर्थ लिखिए।
- (viii) What do you mean by 'Anumana' ?  
'अनुमान' किसे कहते हैं ?
- (ix) Write the nature of 'Meditation'.  
'ध्यान' का स्वरूप लिखिए।
- (x) What is 'Devotion' (Bhakti) ?  
'भक्ति' किसे कहते हैं ?

**Section-B**

(खण्ड-ब)

2. What is the concept of 'Satt' (Reality) in Jainism ?

जैन दर्शन में 'सत्' की क्या अवधारणा है ?

*Or*

(अथवा)

Explain the nature of 'Soul'.

'आत्मा' का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. Explain the nature of Non-violence in Jain-Buddha.

जैन-बौद्ध में अहिंसा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

*Or*

(अथवा)

Throw light on 'Non-possession' in Jain and Vedant.

जैन और वेदान्त में अपरिग्रह विषयक चिन्तन पर प्रकाश डालिए।

4. Explain the nature of 'Karma in Buddhism.'

बौद्धधर्म में 'कर्म' का स्वरूप बताइए।

*Or*

(अथवा)

Exemplify 'Avidya' in Vedanta.

वेदान्त में 'अविद्या' का प्रतिपादन कीजिए।

5. Discuss the 'Anekantvadi concept' of Jainism.

जैनधर्म-दर्शन की 'अनेकान्तवादी अवधारणा' की विवेचना कीजिए।

*Or*

(अथवा)

Explain the 'Anuman-Praman' in Buddha and Jain.

बौद्ध और जैन के 'अनुमान प्रमाण' को स्पष्ट कीजिए।

6. Write about 'Meditation' in Jainism and Buddhism.

जैन एवं बौद्ध में 'ध्यान' के विषय में लिखिए।

*Or*

(अथवा)

Write the nature of knowledge and devotion in Gita.

गीता में ज्ञान और भक्ति का स्वरूप लिखिए।

### **Section-C**

(खण्ड-स)

7. Describe the matter (Pudgal) in detail.

'पुद्गल' का वर्णन कीजिए।

8. Explain the concept of Tapas (Penance) in Jain and Buddha ?

जैन और बौद्ध के सन्दर्भ में 'तप' पर विचार स्पष्ट कीजिए।

9. Throw light on the nature of 'Karma Theory' in Vedant and Jainism.

वेदान्त और जैन में 'कर्मसिद्धान्त' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

10. Describe the 'Pramanas' in Jain-Buddha.

जैन और बौद्ध में 'प्रमाण' का वर्णन कीजिए।

11. Highlight on the types of meditation in Jain and Buddha.

जैन और बौद्ध में ध्यान के भेदों पर प्रकाश डालिए।